>

Title: Need to provide water to drought hit Nawada and Sheikhpura districts of Bihar.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): सभापति महोदय, बिहार के नवादा और शेखपुरा जिले में अप्रत्याशित सूखे से मातमी सन्नाटा छाया हुआ है। पानी के लिए मनुष्य, पशु एवं पक्षियों में हाहाकार मचा हुआ है। आम आदमी को स्नान करने के लिए, पीने के लिए, भोजन बनाने के लिए पानी मृग तृष्णा प्रतीत होता है। चिड़ियां तालाब की ओर जाती हैं, आसमान को देखती हैं, फिर पानी न मिलने की वजह से तालाब की मिट्टी को खोदने लगती हैं। पशु पानी नहीं मिलने के कारण दिन-रात चिंघाड़ते रहते हैं। उनका चिंघाड़ना भयानकता का दृष्य प्रतिस्थापित करता है। महिलाएं तीन-चार किलोमीटर से पहाड़ी हिस्से में पानी लेने के लिए जाती हैं और लू का शिकार हो जाती हैं। नवादा और शेखपुरा बरसों से सूखाड़ की आकृति है। किसानों की फसल पैदा न होने से किसानों का जीवन आत्महत्या से अभिषप्त है। बिहार सरकार की ओर से इस भयावह परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए योजनाएं हैं और पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं लेकिन प्राकृतिक विपदा के सामने बिहार सरकार निधि के अभाव में बहुत कुछ नहीं कर पा रही है। केंद्र सरकार ने बरसों तक नवादा और शेखपुरा को सूखाड़ ग्रस्त क्षेत्र मानकर प्रति वर्ष करोड़ों रुपयों का पैकेज दिया था, उससे कुछ राहत मिली थी, लेकिन अब वह भी बंद है। नवादा और शेखपुरा की पीड़ा और वेदना को लेकर मैं भारत सरकार से संवेदना की अपेक्षा करता हूं। भारत सरकार की चेतना चेतन्य हो और वह अविलम्ब बिहार सरकार को नवादा और शेखपुरा को इस भयावह सूखाड़ में पेयजल के लिए, सिंचाई के लिए, पशु पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था बड़े पैमाने पर करे, जिससे कि लाखों लोगों के जीवन की रक्षा हो सके।